राष्ट्रोपनिषत्

रचयिता
आचार्य डॉ. नारायणशास्त्री काङ्कर विद्यालङ्कारः
(महामहिम-राष्ट्रपति-सम्मानित)

हिन्दी-रूपान्तरण-कर्त्री
सौ. श्रीमती इन्दु शर्मा
एम.ए., शिक्षाचार्या

अंग्रेजी-रूपान्तरण-कर्त्ता
महामण्डलेश्वरः स्वामी श्री ज्ञानेश्वरपुरी
विश्वगुरुदीप आश्रम शोध संस्थानम्, जयपुरम्

कलाया यत्र पूजा न, खिन्नाश्च तदुपासकाः ।
तत्रत्यं शासनं किं न, निन्द्यं भवति कर्हिचित् ? ॥११२॥

कला की जहाँ पूजा नहीं होती और उस कला की उपासना करने वाले दुःखी रहते हैं, क्या वहाँ का शासन कभी निन्दित नहीं होता ?

Will the government not be criticised there, where art is not respected, and artists are unhappy?

कल्पवृक्षो गुरुर्नूनं, तत्सेवी नैव निष्फलः ।
ईश्वरादपि तत्-स्थानं, सदैवोच्चं निगद्यते ॥११३॥

गुरु निश्चित रूप से कल्पवृक्ष ही होता है । उसकी सेवा करने वाला कभी निष्फल नहीं रहता । ईश्वर से उसको सदा ही ऊँचा कहा जाता है ।

Guru is surely a wish-fulfilling tree. The one who serves him will never be without fruits. It is always said that he is higher than God.

कल्याणं काम्यते स्वीयो, विवेकस्त्यज्यतां नहि ।
यतो विवेकशून्या हि, प्राप्नुवन्ति क्षतिं सदा ॥११४॥

यदि अपने कल्याण की कामना की जाती है, तो कभी अपना विवेक नहीं छोड़ा जाय, क्योंकि विवेकशून्य जन ही सदा क्षति प्राप्त किया करते हैं ।

If well being is desired then intellect/common sense should never be given up, because without it harm always befalls a person.

कस्तया शिक्षया लाभो ? या नाचार–सुधारिका ।
धनेनापि च किं तेन , सत्कार्ये यत्न गृह्यते ॥११५॥

उस शिक्षा से क्या लाभ, जो आचरण को सुधारने वाली नहीं है और उस धन से भी क्या ? जो अच्छे कार्य के लिए नहीं लिया जाता है ।

What is the benefit of education which is not practiced? And what is the benefit of the wealth if not used for good deeds?

कस्तया शिक्षया लाभः ? शिक्षा याऽऽचरिता नहि ।
क्रियायां कुशलो यस्तु, स सुखी यशसा सह ॥११६॥

उस शिक्षा से क्या लाभ ? जिसका आचरण नहीं किया गया। जो कर्म करने में कुशल होता है, वही यश के साथ सुखी रहता है ।

What is the benefit of education which is not practiced? The one who is perfect in doing the work lives always happy in fame.

कस्तया शिक्षया लाभः ?, सद्गुणान् या न शिक्षयेत् ।
व्यक्तिं तु सद्गुणा एव, सुखयन्ति सदा खलु ॥११७॥

उस शिक्षा से क्या लाभ ? जो सद्गुणों को न सिखाये । व्यक्ति को तो निश्चित रूप से सदा सद्गुण ही सुखी बनाते हैं ।

What is the benefit of education that does not bring good qualities? Surely, happiness always follows good qualities.

कस्तया शिक्षया लाभः ?, सभ्यो न स्याद् यतो जनः ।
आचारः पशुवद् यस्य, पीडां दद्यात् पदे पदे ॥११८॥

उस शिक्षा से क्या लाभ ? जिससे मनुष्य सभ्य नहीं बने और जिसका पशुवत् आचरण पद पद पर पीड़ा दे ।

What is the benefit of education that does not make a person civilised but his animal qualities harm him on every step?

कस्मै प्रियतमा–तुल्या, रुच्या न चाटुकारिता ? ।
एतत्प्रभाविता देवाः, पूरयन्ति मनोरथान् ॥११९॥

प्रियतमा के तुल्य चाटुकारिता किसको रुचिकर नहीं होती ? इससे प्रभावित देवता भी अपने चाटुकारों के मनोरथों को पूरा कर दिया करते हैं ।

Who does not like flattering, which is like the most beloved???? Gods are fulfilling all desires of the person who flatters them.